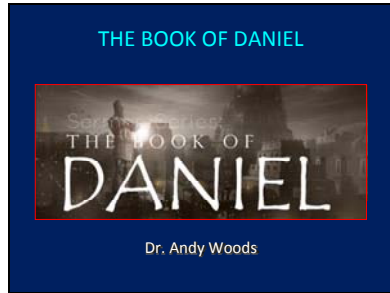


Slide 1



---

---

---

---

---

---

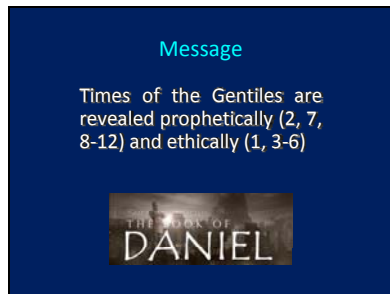
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

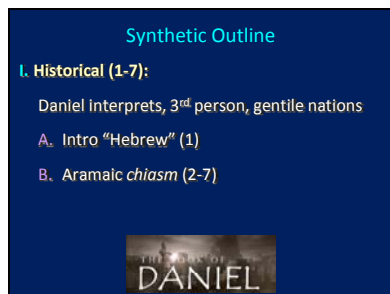
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 4

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
 Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

**A. Intro "Hebrew" (1)**

**B. Aramaic *chiasm* (2-7)**




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 5

**Synthetic Outline**

**I. Historical (1-7):**  
 Daniel interprets, 3<sup>rd</sup> person, gentile nations

**A. Intro "Hebrew" (1)**

**B. Aramaic *chiasm* (2-7)**




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


Slide 6

**Synthetic Outline**

**B. Chiasm "Aramaic" ( 2-7)**



- 1. Gentile History (2)
- 2. Protection (3)
- 3. Revelation to a gentile king (4)
- 3. Revelation to a gentile king (5)
- 2. Protection (6)
- 1. Gentile history (7)




---

---

---

---

---

---

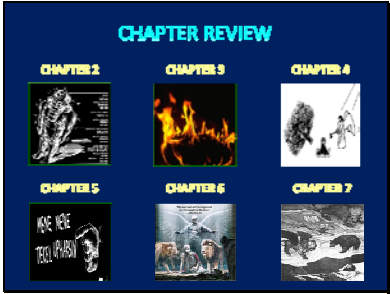
---

---

---

---

Slide 7




---



---



---



---



---



---



---



---

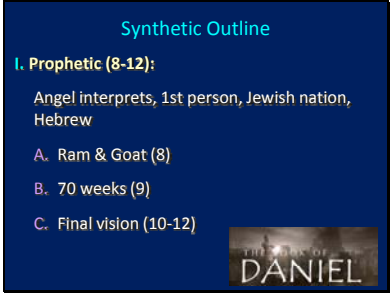


---



---

Slide 8




---



---



---



---



---



---



---



---

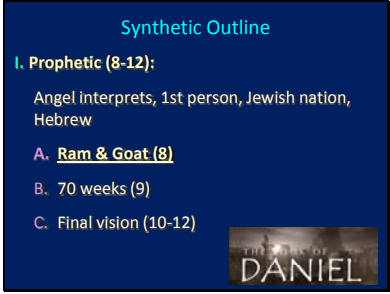


---



---

Slide 9




---



---



---



---



---



---



---



---



---



---

Slide 10



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 11

**Synthetic Outline**

**I. Prophetic (8-12):**  
Angel interprets, 1st person, Jewish nation, Hebrew

- A. Ram & Goat (8)
- B. **70 weeks (9)**
- C. Final vision (10-12)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 12

**Chapter 9 Outline**

- I. The Setting (1-2)
- II. Daniel's prayer (3-19)
- III. Gabriel's arrival (20-23)
- IV. The Seventy Weeks Prophecy (24-27)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 13

Chapter 9 Outline

- I. The Setting (1-2)
- II. Daniel's prayer (3-19)
- III. Gabriel's arrival (20-23)
- IV. The Seventy Weeks Prophecy (24-27)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 14

I. The Setting (1-2)

- Historical setting (v.1)
- Prophetic setting (v.2)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 15

I. The Setting (1-2)

- Historical setting (v.1)
- Prophetic setting (v.2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 16

Succession of Gentile Rulers

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- 9: Darius of Media – Persia
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 17

Succession of Gentile Rulers

- 1-4: Nebuchadnezzar of Babylon
- 5: Belshazzar of Babylon
- 6: Darius of Media – Persia
- 7-8: Belshazzar of Babylon
- **9: Darius of Media – Persia**
- 10-12: Cyrus of Media – Persia

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 18

6 Empires

1. Babylon (2:36-38; 7:4) 605-539 BC
2. Media-Persia (2:39a; 7:5) 539-331 BC
3. Greece (2:39b; 7:6) 331-63 BC
4. Rome I (2:40; 7:7a) 63 BC – 70 AD
5. Rome II (2:41-43; 7:7b-8) Tribulation
6. Kingdom (2:44-45; 7:9-14) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 19

### 6 Empires

1. Babylon (2:36-38; 7:4) 605-539 BC
2. **Media-Persia (2:39a; 7:5) 539-331 BC**
3. Greece (2:39b; 7:6) 331-63 BC
4. Rome I (2:40; 7:7a) 63 BC – 70 AD
5. Rome II (2:41-43; 7:7b-8) Tribulation
6. Kingdom (2:44-45; 7:9-14) After 2<sup>nd</sup> Coming

---

---

---

---

---

---

---

---

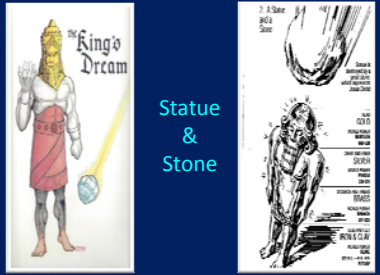
---

---

---

Slide 20

### Statue & Stone




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

### Identification of the Four Kingdoms

Part of the Statue	Material	Animal	Identification	Empire	Chronology of Major Empires in Daniel
HEAD	Gold	LION	BABYLON	605-539 BC	BABYLONIA
TORSO	Silver	BEAR	MEDIA-PERSIA	539-331 BC	MEDIA-PERSIA
THIGHS	Iron	LEOPARD	GREECE	331-63 BC	GREECE (including Pergamon and Seleucid)
FEET	Clay	TRUMPETING AND PRESSING BEAST	ROME	63 BC - 70 AD	ROME

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---






Slide 25

I. The Setting (1-2)

- Historical setting (v.1)
- Prophetic setting (v.2)



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 26

SETTING : PROPHETIC  
V.2

Daniel's Devotional Life

- ◆ Daniel was reading Jeremiah
- ◆ Daniel gave himself to the Word and Prayer
- ◆ Two important priorities (Acts 6:4)
- ◆ Daniel was not too busy for these priorities



---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

Slide 27

SETTING : PROPHETIC  
V.2

70 YEAR CAPTIVITY ABOUT TO END

- ◆ Jeremiah 25:11; 29:10
- ◆ Prophecy provides important information
- ◆ Prophecy gives insight into current events
- ◆ Why 70 years?
  - Lev. 25:1-5; 26:33-35; 2 Chron. 36:21



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 28

**Chapter 9 Outline**

- I. The Setting (1-2)
- II. Daniel's prayer (3-19)
- III. Gabriel's arrival (20-23)
- IV. The Seventy Weeks Prophecy (24-27)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 29

**Abrahamic Covenant**

ABRAHAMIC Genesis 15		
LAND	SEED	BLESSING
LAND Deuteronomy 29-30	DAVIDIC 2 Samuel 7:12-16	NEW Jeremiah 31:31-34



Unconditional covenant with a conditional blessing (Deut. 28; Lev. 26)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 30

**II. Daniel's Prayer (3-19)**

- Confession of sin (v.3-10)
- Acknowledgment of judgment (v.11-14)
- Request for mercy (v.15-19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 31

II. Daniel's Prayer (3-19)

- **Confession of sin (v.3-10)**
- Acknowledgment of judgment (v.11-14)
- Request for mercy (v.15-19)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

CONFESSION OF SIN  
V.3-10

V.3 Repentance (2 Chron. 7:14)  
V.4 Appeal to the Covenant  
V.5 We (32 times); Acknowledgment of rebellion against covenant (Lev. 26, Dt. 28)  
V.6 Function of a prophet, ignored  
V.7 Deut. 28:49, 64  
V.8-10 We



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

II. Daniel's Prayer (3-19)

- Confession of sin (v.3-10)
- **Acknowledgment of judgment (v.11-14)**
- Request for mercy (v.15-19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

ACKNOWLEDGMENT OF JUDGMENT  
V.11-14

V.11 CURSE-Dt. 28:15-68

V.12-14 MOSAIC COVENANT



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 35

II. Daniel's Prayer (3-19)

- Confession of sin (v.3-10)
- Acknowledgment of judgment (v.11-14)
- Request for mercy (v.15-19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

REQUEST FOR DIVINE MERCY  
V.15-19

V.15 God's past covenant faithfulness; ex. 2:23-24

V.16 Jerusalem

V.17 Sanctuary

V.18 Daniel approached god on the basis of his grace and not human merit

V.19 The Jewish people



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 37

**Chapter 9 Outline**

- I. The Setting (1-2)
- II. Daniel's prayer (3-19)
- III. Gabriel's arrival (20-23)
- IV. The Seventy Weeks Prophecy (24-27)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

**THE ARRIVAL OF GABRIEL**  
V.20-23

**V.20-21**



- ◆ Gabriel is the mediator
- ◆ Gabriel's previous involvement (8:16)

**V.22**

- ◆ Gabriel came to give Daniel insight
- ◆ Daniel's misconception of the kingdom's coming after 70 years

**V.23**

- ◆ Daniel is highly esteemed



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 39

**Chapter 9 Outline**

- I. The Setting (1-2)
- II. Daniel's prayer (3-19)
- III. Gabriel's arrival (20-23)
- IV. The Seventy Weeks Prophecy (24-27)



---

---

---

---

---

---

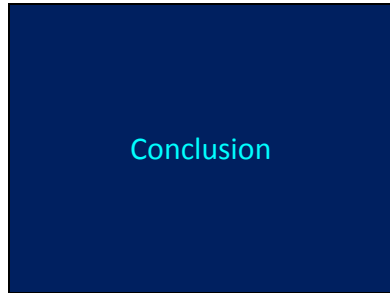
---

---

---

---

Slide 40




---

---

---

---

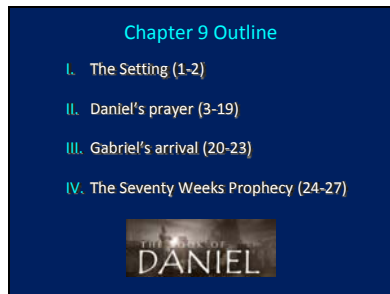
---

---

---

---

Slide 41




---

---

---

---

---

---

---

---

## 2

Jer. 25:11-12-This whole land will be a desolation and a horror, and these nations will serve the king of Babylon **seventy years**.<sup>12</sup> ‘Then it will be when **seventy years** are completed I will punish the king of Babylon and that nation,’ declares the LORD, ‘for their iniquity, and the land of the Chaldeans; and I will make it an everlasting desolation.

Jer. 29:10- For thus says the LORD, ‘When **seventy years** have been completed for Babylon, I will visit you and fulfill My good word to you, to bring you back to this place.

1 Chron. 12:32-Of the sons of Issachar, men who understood the times, with knowledge of what Israel should do, their chiefs *were* two hundred; and all their kinsmen *were* at their command.

Acts 6:4-But we will devote ourselves to **prayer** and to the [d]ministry of the **word**.

Exod. 20:8-11-Remember the sabbath day, to keep it holy. <sup>9</sup> Six days you shall labor and do all your work, <sup>10</sup> but the seventh day is a sabbath of the LORD your God; *in it* you shall not do any work, you or your son or your daughter, your male or your female servant or your cattle or your sojourner who [e]stays with you. <sup>11</sup> For in six days the LORD made the heavens and the earth, the sea and all that is in them, and rested on the seventh day; therefore the LORD blessed the sabbath day and made it holy..

Lev. 25:1-5-The LORD then spoke to Moses [a]at Mount Sinai, saying, <sup>2</sup> “Speak to the sons of Israel and say to them, ‘When you come into the land which I shall give you, then the land shall have a sabbath to the LORD. <sup>3</sup> Six years you shall sow your field, and six years you shall prune your vineyard and gather in its crop, <sup>4</sup> but during the seventh year the land shall have a sabbath rest, a sabbath to the LORD; you shall not sow your field nor prune your vineyard. <sup>5</sup> Your harvest’s [b]aftergrowth you shall not reap, and your grapes of untrimmed vines you shall not gather; the land shall have a sabbatical year.

Lev. 26:33-35-You, however, I will scatter among the nations and will draw out a sword after you, as your land becomes desolate and your cities become waste.<sup>34</sup> ‘Then the land will [k]enjoy its sabbaths all the days of the desolation, while you are

in your enemies' land; then the land will rest and <sup>[l]</sup>enjoy its sabbaths. <sup>35</sup> All the days of *its* desolation it will observe the rest which it did not observe on your sabbaths, while you were living on it.

2 Chron 36:20-21- Those who had escaped from the sword he carried away to Babylon; and they were servants to him and to his sons until the rule of the kingdom of Persia, <sup>21</sup> to fulfill the word of the LORD by the mouth of Jeremiah, until the land had enjoyed its sabbaths. All the days of its desolation it kept sabbath <sup>[d]</sup>until seventy years were complete.

### 3

Matt. 6:12-And forgive us our debts, as we also have forgiven our debtors.

1 John 1:9-If we confess our sins, He is faithful and righteous to forgive us our sins and to cleanse us from all unrighteousness.

Ps. 66:18-If I <sup>[i]</sup>regard wickedness in my heart, The Lord <sup>[l]</sup>will not <sup>[k]</sup>hear.

1 Peter 3:7-You husbands in the same way, live with *your wives* in an understanding way, as with <sup>[c]</sup>someone weaker, since she is a woman; and show her honor as a fellow heir of the grace of life, so that your prayers will not be hindered.

2 Chron. 7:14- and My people <sup>[d]</sup>who are called by My name humble themselves and pray and seek My face and turn from their wicked ways, then I will hear from heaven, will forgive their sin and will heal their land.

### 6



Hos. 4:1-Listen to the word of the LORD, O sons of Israel, For the LORD has a case against the inhabitants of the land, Because there is no <sup>[a]</sup>faithfulness or <sup>[b]</sup>kindness Or knowledge of God in the land.

2 Chron 36:16-but they *continually* mocked the messengers of God, despised His words and scoffed at His prophets, until the wrath of the LORD arose against His people, until there was no remedy.

Matt. 23:34-35-Therefore, behold, I am sending you prophets and wise men and scribes; some of them you will kill and crucify, and some of them you will scourge in your synagogues, and persecute from city to city, <sup>35</sup> so that upon you may fall *the guilt of* all the righteous blood shed on earth, from the blood of righteous Abel to the blood of Zechariah, the son of Berechiah, whom you murdered between the <sup>[ab]</sup>temple and the altar.

## 7

Dt. 28:49-50-The LORD will bring a nation against you from afar, from the end of the earth, as the eagle swoops down, a nation whose language you shall not understand, <sup>50</sup> a nation of fierce countenance who will have no respect for the old, nor show favor to the young.

Dt. 28:64-Moreover, the LORD will scatter you among all peoples, from one end of the earth to the other end of the earth; and there you shall serve other gods, wood and stone, which you or your fathers have not known.

## 15

Exod. 2:24-So God heard their groaning; and God remembered His covenant with Abraham, Isaac, and Jacob.

## **18**

Heb. 4:16-Therefore let us draw near with confidence to the throne of grace, so that we may receive mercy and find grace to help in time of need.

## **21**

Exod. 29:39- The one lamb you shall offer in the morning and the <sup>[ad]</sup>other lamb you shall offer at <sup>[ae]</sup>twilight

## **Conclusion**

Num. 6:24-26-The LORD bless you, and keep you;<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'